

Newspaper Clips

October 17, 2012

Hindustan ND 17/10/2012

P9

नया फार्मूला तैयार कर रहा है मंत्रालय

20 फीसदी खर्च का इंतजाम खुद करे आईआईटी

नई दिल्ली | गदम जैड़ा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय आईआईटी को दी जा रही सहायता पर नया फार्मूला तय करने की तैयारी में है। केंद्र की नई योजना के तहत आईआईटी को अपने खर्च की 20 फीसदी राशि खुद ही वहन करना होगी। मंत्रालय भविष्य में सिर्फ 80 फीसदी ही राशि प्रदान करेगा। यह व्यवस्था गैर योजनागत व्यय के लिए होगी। रणनीति के तहत चरणबद्ध तरीके से खर्च में आईआईटी की हिस्सेदारी में इजाफा किया जाएगा। अगले महीने मंत्रालय की आईआईटी कार्टिसिल के साथ प्रस्तावित बैठक में इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय लिया जा सकेगा।

यह व्यवस्था पहले से चल रहे सात आईआईटी संस्थानों के लिए होगी, जिनमें दिल्ली, मुंबई, खड़गपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रूड़की एवं कानपुर शामिल हैं। कुछ साल पहले खुले आठ नए आईआईटी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। अभी तक आईआईटी को करीब-करीब पूरी सहायता केंद्र से मिल रही है। हालांकि कुछ आईआईटी अपने संसाधनों का भी इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह स्वैच्छिक है।

मंत्रालय के एक उच्च अधिकारी के

केंद्र की योजना

- अगले महीने होने वाली बैठक में केंद्र सरकार और आईआईटी के बीच होगा फैसला
- आईआईटी में प्रति छात्र सालाना खर्च 1.80 से बढ़ाकर 2.25 लाख करेगा केंद्र

अनुसार, नई व्यवस्था लागू होने के बाद आईआईटी को शोध कार्य की रॉयल्टी, कंसल्टेंसी कार्य, छात्रों की फीस में इजाफा, पूर्व छात्रों से चंदा लेकर और अपनी जमा पूंजी के निवेश से बेहतर रिटर्न हासिल करके 20 फीसदी खर्च का इंतजाम करना होगा।

मंत्रालय के अनुसार, अभी आईआईटी को प्रति छात्र 1.80 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। यह राशि 2006-07 में तय हुई थी। तब से इसमें बदलाव नहीं किया गया है। इसे भी केंद्र बढ़ाएगा, क्योंकि छोटे वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने से आईआईटी का संचालन खर्च बढ़ा है। इसे 2.25-3.0 लाख रुपये प्रति छात्र किए जाने की संभावना है। कुछ अरसा पूर्व गठित काकोडकर समिति ने प्रति छात्र इतने खर्च का आकलन किया था।

Times of India ND 17/10/2012

P-6

Dengue scare: IIT-D, JNU challaned

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: At least two major educational institutions — IIT Delhi and JNU — were challaned by the municipal corporation of Tuesday for having failed to check mosquito-breeding in the campus. According to municipal authorities, the action was taken after several warnings were issued to the concerned officials.

"Mosquito-breeding was found at three sites in IIT, including the construction area and the auto workshop. One of the hostels at JNU was found to

have mosquito-breeding," a senior official said. Both the institutions have residential facility, he said, and many inhabitants have been confirmed positive for dengue over the last few weeks.

According to figures provided by the civic body, 484 patients have been confirmed positive for dengue this season, including 29 cases reported on Tuesday. "Most of the cases have been reported in the last one month. The number of admissions in city hospitals and requirement for platelet has gone up," said an official. He

added that despite the fogging being carried out by the civic bodies, mosquito-breeding continues in several areas — like New Ashok Nagar, Tuglakabad village and Matiala, Najafgarh, among others. South Delhi has

WARNINGS FAIL

reported the maximum number of dengue cases.

According to state health minister A K Walia, who held a meeting of top health officials and medical superintendents of major hospitals, the demand for platelets has increased due

to rising cases in the capital.

"To make sure that no patient is denied supply of platelets, or faced with any problem as regards its timely availability, we have asked all blood banks in the capital — 14 in government and 39 in private sectors — to work round the clock and deploy extra manpower, if required, to ensure continuous production and supply of the blood component," said Walia.

The blood banks in the government hospitals have been asked to supply platelets not only to their indoor patients but also to patients from private hospitals and nursing homes. Dr Sanjeev Bagai, senior pediatrician and CEO, Radiant Life said dengue virus's main affect is on platelet production. "The dengue infection seems milder this time as compared to previous years," he said.

Hindustan Times ND 17/10/2012

P-10

Duped, shamed and scared, they live on the edge

foreign varsitytrap
SECOND OF THREE PARTS

Charu Sudan Kasturi
charu.kasturi@hindustantimes.com

NEW DELHI: Tumuluri Krishna's dream of becoming a pilot soured just two weeks after he joined a flight training school near Sydney, Australia, in October 2010. He found that the school was being run out of an abandoned hangar, and had just one trained pilot — with an

expired licence.

Two years later, the 24-year-old leads parallel lives. While his parents from Guntur district in Andhra Pradesh think he's a pilot honing his skills in Australia, he is — in reality — an automobile mechanic's aide in Ashfield, a Sydney suburb.

"I can't tell my parents the truth," Krishna said, his voice cracking over a weak Skype connection. "It would break their hearts, and shame them in front of their local community. I'm only agreeing to talk to you because it could help others escape what I'm going through."

INDIAN STUDENTS FIND THEMSELVES TRAPPED IN SUBSTANDARD DEGREE MILLS POSING AS FOREIGN VARSITIES

Each year, thousands of Indian students find themselves trapped at foreign universities or training schools that turn out to be substandard degree mills. Family expectations, heavy loans and dodgy documentation can make the journey out of this trap long and painful, sometimes

plaguing victims with a life on the edge of the law.

"It's a horrible, traumatic experience to have to go through," said a senior official at the Indian consulate in New York, who helped students at California-based Tri Valley University (TVU). The university was shut down in January 2011, after its CEO was arrested for visa fraud.

Raghav Rao was among the 1,200 Indian students at TVU who were radio-tagged after his visa was declared fake. "I was made to feel like a criminal," Rao said. "My only mistake was

going to Tri Valley."

As soon as he realised that TVU was a sham, Rao wanted to be transferred to another university — this time an accredited one. However, none of the universities he approached wanted to take TVU students.

Around him, other classmates were having similar experiences. Troubled, and burdened with a \$15,000 loan, Rao found a \$6-an-hour job on the outskirts of nearby Silicon Valley, much below California's minimum wage of \$8 per hour. But then, it wasn't like he could challenge the injustice in court.

STAKEHOLDER EFFECT

- There's another fear that unites most of these students, and helps such universities flourish.
- An MBA graduate from UCW, who now mans a pizzeria counter, terms it the "stakeholder effect".
- "I couldn't afford to go public against my university," he said. "Any negative news about the university would only hurt my career."

FOR FULL STORY, GO TO
hindustantimes.com/foreignvarsity3

दिल्ली का सविनय सर्वश्रेष्ठ एमबीबीएस

एम्स के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने छात्र को किया पुरस्कृत



एम्स के 40वें दीक्षांत समारोह में सर्वश्रेष्ठ एमबीबीएस सहित सात पुरस्कार पाने वाले छात्र सविनय कपूर को पुरस्कृत करते राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली के सविनय कपूर ने देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य संस्थान एम्स से सर्वश्रेष्ठ एमबीबीएस बनने का गौरव हासिल किया है। सविनय को मंगलवार को एम्स में आयोजित दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने पुरस्कृत किया। सविनय की परवरिश में ही डॉक्टरी का पाठ पढ़ा दिया गया था। शायद यही वजह है कि आइआइटी में चयन के बाद भी सविनय ने इंजीनियरिंग को तुकरा कर डॉक्टर की राह पर चलने का फैसला किया। सर्वश्रेष्ठ एमबीबीएस का पुरस्कार लेने के बाद सविनय ने अपनी खुशी प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने एम्स से डॉक्टरी की शिक्षा ग्रहण की है, इसलिए देश में रहकर अपनी सेवा देते रहेंगे। राजधानी के कालकाजी इलाके में रहने वाले सविनय के पिता डॉ. प्रेम कपूर, हमदर्द अस्पताल में

सविनय की उपलब्धियां

- वर्ष 2011 के श्रेष्ठ स्नातक (एमबीबीएस) हेतु संस्थान पदक
- मनोचिकित्सा में डॉ. सत्यानंद पदक-2011
- श्रेष्ठ आलराउंडर एमबीबीएस छात्र हेतु दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन पदक-2011
- फरेमन पुस्तक पुरस्कार 2011
- प्रसूति एवं स्त्री रोग, शल्य चिकित्सा, सामुदायिक चिकित्सा में सविनय को अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया

कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली प्री मेडिकल टेस्ट में भी सविनय ने टॉप किया था। मुझे खुशी है कि वह चिकित्सा के क्षेत्र में अच्छा कर रहा है। मां सीमा कपूर भी बेटे

देश को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य प्रणाली की जरूरत : राष्ट्रपति

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : वर्तमान स्वास्थ्य प्रणाली को लेकर राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि देश को उच्चस्तरीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली की जरूरत है। यह सेवा अमीर और गरीब दोनों को समान रूप से मिले। हालात यह हैं कि कमजोर वर्गों पर स्वास्थ्य और चिकित्सा खर्च का दबाव कहर बनकर टूट रहा है। इन वर्गों द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं पर 80 फीसद खर्च अपने स्तर से किया जा रहा है। हर साल 4 करोड़ लोग चिकित्सा उपचार पर खर्च के कारण गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। राष्ट्रपति ने मंगलवार को एम्स के 40वें दीक्षांत समारोह के दौरान अपने संबोधन में ये बातें कहीं। दीक्षांत समारोह में 465 डॉक्टरों को उपाधियां प्रदान की गईं। पदकों तथा पुस्तक, पुरस्कारों के लिए 59 छात्रों को राष्ट्रपति ने पुरस्कृत किया।

सविनय कपूर को वर्ष 2011 के श्रेष्ठ स्नातक का पुरस्कार दिया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि गरीबों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं निम्न स्तर की नहीं होनी चाहिए। देश के नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य पर देश की उत्पादकता निर्भर करती है। राष्ट्रपति ने कहा कि एम्स का जैव चिकित्सा अनुसंधान पर विशेष कार्य हो जो दूसरों के लिए रोल मॉडल की तरह हो। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 तक एम्स दुनिया

की इस उपलब्धि से गदगद हैं। सविनय ने कहा कि मेडिसिन मेरा प्रिय विषय रहा है। इसलिए मैं एम्स से एमडी के लिए प्रयास कर रहा हूँ। मैं फिलहाल पीडिएटिक

एम्स ने प्रदान की उपाधियां

पीएचडी	73
एमसीएच-	18
डीएम	43
एमडी	105
एमएस	27
एमडीएस	7
एमएचए	5
एमएससी	22
एमएससी नर्सिंग	19
एम. जैव प्रौद्योगिकी	11
एमबीबीएस	42
बीएससी नर्सिंग	22
बीएससी नर्सिंग (ऑनर्स)	55
बीएससी, नेत्र विज्ञान प्रौद्योगिकी	9
बीएससी रेडियोग्राफी	7

के 10 सबसे उच्च स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों में से एक होगा इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री गुलाम नबी आजाद ने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत किए गए कार्यों को गिनाया। उन्होंने कहा कि छह राज्यों में एम्स की तर्ज पर नए एम्स में पढ़ाई शुरू हो जाने से नई उम्मीद जगी है। इस योजना के तहत 19 अस्पतालों को अपग्रेड किया गया है जिससे 9,470 बिस्तरों की संख्या में इजाफा हुआ है।

मेडिसिन में नामांकन के लिए प्रयासरत हूँ। मरीजों का इलाज करना तथा इसमें बेहतर करने की जो प्रेरणा मुझे परिवार से मिली है उसे मैं अपने जीवन में उतार रहा हूँ।

Hindustan Times ND 17/10/2012

P--1

Efforts are on to review CAT

IIMs 'are taking baby steps to bring more diversity' in class

HT Education Correspondent
hteducation@hindustantimes.com

Those who think the Indian Institutes of Management's Common Admission Test (CAT) is skewed towards graduates in certain disciplines may take heart from the fact that efforts are on to review it.

The premier institutes are re-looking at the CAT, said IIM Kozhikode officials at a press conference in New Delhi.

"It's at the drawing board stage. It would be premature to talk about this now. At the appropriate time, the directors will talk about it," said SSS Kumar, CAT 2012 convenor and associate professor, IIM Kozhikode.

The officials said IIMs "are taking baby steps to bring more diversity" in class. One example of the diversifying student profile is an IIM-K student who

is 50 years old and has worked in the banking sector for 30 years.

As the pool of CAT applicants grew by 4.2% this year as compared to the last, so did the number of applications from women (8.6% rise), non-creamy-other backward classes (17.3%), scheduled castes (5%), scheduled tribes (7.4%) as well as those with two to three years' work experience (43%). The majority of candidates, however, still have no more than six months' work experience.

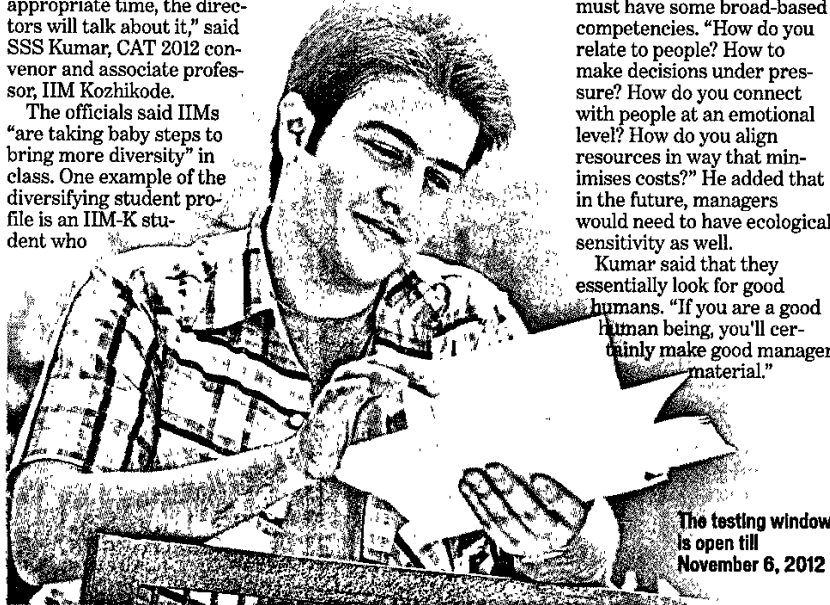
In countries such as the United States, MBA candi-

dates' average age and number of years (five-plus) of experience is much higher. In India, most contenders (66.6%) are fresh out of college. The data above suggests this trend is changing.

On the downside are registrations from doctors - 566 in 2011 vs 486 this year - and those with BBA or BBM degrees - 19,311 last year and 17,062 this time.

Asked about their description of an ideal MBA student and future manager, IIM-K director Debashis Chatterjee said a person who is required to manage any organisation must have some broad-based competencies. "How do you relate to people? How to make decisions under pressure? How do you connect with people at an emotional level? How do you align resources in way that minimises costs?" He added that in the future, managers would need to have ecological sensitivity as well.

Kumar said that they essentially look for good humans. "If you are a good human being, you'll certainly make good manager material."



The testing window is open till November 6, 2012

MENTORTALK

Debashis Chatterjee,
director, Indian Institute of Management, Kozhikode

Advises a well-thought out approach to pursuing an MBA and relevant career.

He gives some tips for aspirants:

- You should be completely focused on the work at hand. Give full attention to the test
- Think, after clearing the test, how are you going to contribute to your chosen field. What's the unique contribution you can make to it? What makes you distinct?
- Consistently practise the CAT. Take mock tests. Practise with other people so that you can benchmark your performance against others



- Read two-three newspapers at least; especially go through the editorials. Read for good language. Know what the big issues facing the nation are
- You can come for an MBA from any field. This (test) is field-neutral
- Prepare for six months before CAT
- You may or may not go for coaching classes to prepare for the test. You may form your own self-help group

Who's belling CAT 2012

Total applications 2012: 214,068 2011: 205,345	General category: 168974 ↻ 78.9%
Male: 153192 ↻ 71.6%	NC-OBC: 28403 ↻ 13.3%
Female: 60876 ↻ 28.4%	SC/ST: 16691 ↻ 7.8%

Work experience of 0-6 months: **142513** ↻ **66.6%**

More than six months' experience: **71555** ↻ **33.4%**

City-wise

New Delhi: 21,224 ↻ 9.9%
Bangalore: 19553 ↻ 9.1%

Mumbai: 16895 ↻ 7.9%
Hyderabad: 16138 ↻ 7.5%
Pune: 13368 ↻ 6.2%

Financial Chronical ND 17/10/2012 P10

MBA's are not always fit for hiring, shows survey

RITWIK MUKHERJEE

Kolkata

THE phenomenal growth of management institutes in the country notwithstanding, employability for management students still remains below 10 per cent for any functional role in the field of HR, marketing or finance. On the other hand, it ranges between 10-20 per cent for roles involving sales and client servicing. That's what a recent study by Aspiring Minds, one of India's large employability solutions company headquartered in Gurgaon, suggests.

"The National Employability Report — MBA Graduates, Annual Report 2012' by Aspiring Minds, was conducted on a sample of more than 32,000 MBA students from over 220 B-schools

Death of jobs

■ National Employability Report — MBA Graduates, conducted by Aspiring Minds

■ Employability of MBA graduates exceptionally low — 2.52% — in business consulting

■ In corporate sales (10.56%), it is almost half of that in consumer sales — 21.72%

across the country. "Nearly 2.14 lakh students have applied for 3,500 seats through CAT this year, which is just a small chunk of the huge capacity of management education in the country. There is an urgent need to audit whether we are training industry-ready individuals. As-

piring Mind's employability report is a step in this direction. The low employability figures show that management students and colleges need personalised employability feedback and guidance to take the right steps. This shall not only lead to more students getting jobs, but also addressing the large talent needs of our growing industry," said Varun Aggarwal, COO and CTO, Aspiring Minds.

According to Aspiring Minds study, employability of MBA graduates is exceptionally low (2.52 per cent) in business consulting whereas it is just 7.98 per cent for the analyst function. The employability in corporate sales (10.56 per cent) is almost half of that in consumer sales (21.72 per cent).

ritwikmukherjee
@mydigitalfc.com

HT Delhi



- **An illustration of PH1, a circumbinary planet with two parent stars and two more stars orbiting the system. PH1 was discovered by the Planet Hunters citizen science project.** HAVEN GIGUERE/YALE

PLANET WITH FOUR SUNS DISCOVERED

LONDON: A planet with four suns has been discovered by volunteers from the planethunters.org citizen science project.

The bright new world, just under 5,000 light years away, is believed to be six times the size of Earth.

It orbits one pair of stars and is in turn circled by a second pair. As a result, a total of four stars light up its skies.

“It’s fascinating to try and imagine what it would be like to visit a planet with four suns in its sky, but this new world is confusing astronomers — it’s not at all clear how it formed in such a busy environment,” the Telegraph quoted Dr Chris Lintott, from Oxford University, as saying.

A team of professional astronomers confirmed the

find using the Keck telescopes on Mauna Kea, Hawaii.

The planet has been named PH1 after the planethunters website. **ANI**

ELECTRIC UNDIES TO GET RID OF BEDSORES

LONDON: An underwear designed to jolt the buttocks with electricity may be able to prevent dangerous open wounds called pressure sores, researchers have suggested.

Sores form when people are stuck in one position for too long, which compresses the skin and cuts off blood supply.

Canadian academics said that in a short trial on 37 people, the mild current mimicked fidgeting and prevented the sores forming.

Pressure sores are a common problem in hospitals as patients are often too ill to get out of bed. **ANI**